प्रतिरोध / प्रयास

आधार शिला आवासीय बालिका विधालय – अमरपुरा

वार्षिक रिपोर्ट –2011

पताः अमरपुरा, चित्तौड़गढ़ रोड़, भदेसर, जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) फोन : 01470248586, मो. 09460057394
09982095386
Address : AMARPURA, CHITTOR ROAD, BHADESAR, DIST-CHITTORGARH(RAJ) IND

➢ प्रतिरोध

संगठन जिले में वर्ष 2004–5 से भदेसर क्षैत्र में कार्यरत हैं। वर्ष 2007–8 से प्रतिरोध संस्था के रुप में पंजीकुत करवा स्वंय सेवी संस्था के रुप में दलित, आदिवासी पिछड़े व गरीब वर्ग के साथ उनके सामाजिक आर्थिक एवं राजनैतिक शसक्तिकरण सामाजिक न्याय व अधिकारो के लिए कार्यरत हैं। एक और जहा समाज में चुनिंदा लोग आधारभुत सुविधाओं व संसाधनो पर कब्जा जमाए बेठे हैं वही समाज का एक बहुत बड़ा भाग आधारभुत सुविधाओं से वंचित हैं जिन्हे जीवन निर्वाह हेतु शक्ति केन्द्रकों, सामंतो, जागीरदारों पर आश्रित रहना पड़ता हैं।

संगठन का प्रयास हैं कि दलित आदिवासी, समुदाय के लोगो का मांनसिक शारीरिक, सामाजिक व आर्थिक विकास सुनिश्चित हो सके ताकि सदियो से सामन्तशाही, शोषण व गरीबी के बन्धानो में झकड़े ये लोग एक नई सुबह की तलास कर पाये।

बालिका आवासीय विद्यालय

बलिका आवासीय आधार शिला विघालय अमरपुरा
अध्ययनरत बालिकाओं की सुची

क म	बालिका नाम	पिता का नाम	माता का नाम	जति	गॉव का नाम
1	रविना	रामनारायण	गीता बाई	बैरवा	केलादेवी
2	सपना	सजकुमार	जानकी देवी	बैरवा	बावली
3	केसर	रामलाल	बदाम बाई	भील	कुरेटा
4	छेवली	शकरलाल	प्रेमीदेवी	भील	कुरेठा
5	मनिषा	भागचन्द्र सोनी	संगीता सोनी	सेनी	चित्तौडगढ
6	पार्वती	मानमल	राधाबाई	मीणा	बोरिया मुंगाना
7	रेखा	मानमन	राधाबाई	मीणा	बोरिया मुंगाना
8	आरती	राजमल चावरिया	षिवकन्या	चावरिया	मुंगाणा
9	शान्ति	फुलचन्द्र		भील	सिगंपुर
10	सीता	रामलाल	चॉन्दीबाई	भील	सिंगपुर
11	किरण	रतनलाल	रामीबाई	भील	सिगपुर
12	लाली	हुमलाल	रामुबाई	मीणा	भागाडेरा मुगाणा

13	सविता	नंगराज	हिराबाई	मीणा	सगरिया मुगाणा
14	सोनू	खेमराज	सूमनचौहान	जाट	अमरपुरा
15	चन्दा	रमनलाल	संन्तौसबाई	भील	सिगंपुर
16	सोकली	रामलाल	बाबरीबाई	मीणा	मांगरोल
17	निर्मला	नाथुलाल	प्रेमबाई	जोगी	रामाखेडा
18	मीरा	हुमलाल	नानीबाई	मीणा	भागाडेरा मुगाणा
19	रेखा	गोतम	भलकीबाई	मीणा	भागाडेरा मुगाणा
20	सुखा	गलियालाल	रुपलीबाई	मीणा	मांगरोल
21	रेखा	अमरालाल	सीताबाई	मीणा	मंगरोल
22	टलका	रमेशाचन्द्र	रतनीबाई	नाथ	चित्तौडगढ
23	तुलसी	धरमा	मोतियॉबाई	मीणा	मांगरोल
24	गोति	परसूराम	कूडीबाई	मीणा	मांगरोल
25	कृपा	लक्ष्मण	दरियाबाई	मीणा	मांगरोल
26	अणछी	लालूराम	शान्तिबाई	भील	चांम्पाखेडी
27	वरदी	नन्दलाल	नाराणी	भील	भीलोंकाखेडा
28	धन्नी	नन्दलाल	नाराणी	भील	भीलोंकाखेडा
29	सीमा	कालू	रुकमणीबाई	भील	भीलोंकाखेडा
30	संन्तौष	वरदु	कमलाबाई	भील	कुरेटा
31	राधा	उदेलाल	लक्ष्मीबाई	भील	नंगावली
32	संन्तौष	रतनलाल		जोगी	खोडिप
33	कृष्णा	भेरुलाल	भगवतीबाई	भील	सिगंपुर
34	माया	रतनलाल		भील	सिंगपुर
35	यसोदा	शिवलाल		बावरी	घासलोंका खेडा
36	माया	लोभचन्द्र		भील	मेंडीका अमराना
37	मेंना	शिवलाल		बावरी	घासलोंका खेडा
38	अणछी	गंगाराम	लखीबाई	भील	चांपाखेडी
39	नीरु	स्व.भूराजी	गीताबाई	भील	गणपतखेडा
40	कृष्णा	श्याम		भील	सिंगपुर
41	घिसी	रामलाल	बदामीबाई	भील	कुरेठा
42	आशा	वरदु		भील	मिन्नाणा
43	मीना	राम लाल	कैसर बाई	भील	सीगपुर
44	राधा	रूप लाल	प्रेम बाई	जेगी	खैाडीप
45	रविना	कजोड जी	लेला बाई	मीणा	मुगाना
46	अम्रता	राजु	कमली	मीणा	मुगाना
47	देवकन्या	राम कीसन	सुगना	भील	
48	मागी	माधवलाल	धापु	भील	तेजपुरीयॅा की ढाणी
49	संगीता	कैलाश लाल	वरदी बाई	भील	तेजपुरीयॅा की ढाणी
50	मन्जु भील	कालु जी	मेवनी बाई	भील	तेजपुरीयॅा की ढाणी
51	पुष्पा	क्मलेश	सन्तोस	भील	तेजपुरीयॅा की

					ढाणी
52	सन्तोष	वरदुजी	सोसर	*भील*	तेजपुरीयॅा की ढाणी
53	चन्दा रावत	परथु	नाराणी	*रावत*	केसरपुरा
54	रविना	कजोड	नानी	*भील*	मगरदा
55	माया	कजोड	सुखी	*भील*	मगरदा
56	भैरी	लालुराम	केसर	*भील*	मगरदा
57	गुडी	मगी लाल	जानकी	*भील*	मगरदा
58	ईन्द्रा	परथु	सीता	*भील*	मगरदा

• दैनिक दिनचर्या

प्रातः सर्दियो मे 6.30–07 व गर्मियो मे 05–06 के बीच उठा देते है व एक घण्टा हाथ मुंह धोने आवश्यक काम से निपटारे के बाद बडी लडकियों को योगाभ्यास व छोटी लडकियों को सामान्य व्यायाम करवाते है । 10 बजे से पढाई की कक्षाए प्रारम्भ करके 01 बजे दोपहर को भोजन अवकाश । शायं 03– 05 बजे तक कक्षा अध्ययन कार्य करवाते है शायं 07–08 भोजन व 09–10.30 अध्ययन कार्य ।

भौतिक सुविधाए

01. **स्कुल में :–** जहॅा स्कुल चलता है उस भवन के चारों और 10 फीट की पक्की दिवार व दो दरवाजे लगे हुए है इस भवन की लम्बाई 90 व चौडाई 70 फुट है चार दिवारी के अन्दर एक टीन सेड बनवा हुआ है जीसमे 200 लडकीया बैठ सकती है निचे लडकियों ने गोबर व मिटटी की सहायता से मजबुत फर्स बना दिया है जिससे धुल नहीं उडती है व बैठने व दिखने मे भी अच्छा लगता है ।

02. **रात्री विश्राम :–** लडकियों के सोने के लिये प्रतिरोध संस्था द्वारा बनाया गया होल व एक कमरा जिसकी लम्बाई 40चौडाई 30 फुट है होल मे 30 खाट व अन्दर वाले कमरे मे 05 खाट के बिछाने की व्यवस्था है व साथ मे कमरे व होल मे चार बडे पखे व दो टयुब लाईट की व्यवस्था है ।

03भोजन :–सुबह 08 बजे नास्ता , चाय नास्ते मे मुख्य रूप से पोहा सुजी का हलवा; चावल व उबले हुए चने कभी पराठे दोपहर मे रोटी व एक सब्जि कभी दाल व हरी सब्जि 15 दिन मे एक बार विशेष भोजन देते हे जिसमे खीर दाल बाटी हलवा पुडी व नुक्ति पकोडे देते है । रात्री मे 07 – 08 के बीच भोजन ।

गति विधियॅा

01. स्कुल गतिविधियॉ –

सभा:– प्रातः कालिन सत्र मे पिछले दिन का सिल सिले वार पर चर्चा होती है
विधालय में प्रतिदिन क्लास मौन गतिविधि के साथ शुरुआत होती और स्थानिय लोक गीत, कविता,, अग्रेंजी कविता, सामान्य ज्ञान, बालिकाओं द्वारा तैयार किया गया जाता है इसके साथ मे अगले दिन की गयी सारी शिक्षण प्रक्रिया का पुनराव लोकन किया जाता है। इससे बालिकाओं में शिक्षा के प्रति नयी रुची जाग्रत आयी।

शनिवारिय बाल सभा – प्रत्येक शनिवार को सांय 04 से 05 बजे तक बच्चों की सभा की जाति है जिसमे बच्चौ द्वारा विभीन्न प्रस्तुतियां दि जाति है ।

नाटक – बच्चौ को ज्ञान वर्द्वक नाटक करवाया जाता है जिसमे बच्चै अलग अलग पात्र को निभाते है । छात्राओ को वर्तमान सामाजिक परम्पराओ व कुरूतियों पर नाटक तैयार करने के लिये ग्रुप बनाते है व नाटक मचंन करते है जिसमे मुख्यतः बाल विवाह बालिका शिक्षा मृत्यु भोज ईत्यादि ।

गीत – छात्राओं से नये गीत बनाना व गॉव में गाने वाले लोक गीतों को याद करना व उन गानो को गा कर सब का सबका मनोरजंन करना व विशेष अवसरो पर 15 अगस्त 26 जनवरी कों गावॅ के स्कुल मे जाकर गीतों का प्रस्तुति करण करना ।

लेखन – छात्राओं को किसी विशेष बिन्दु पर लेख लिखवाते है जैसे मेला, दिवाली, विवाह ईत्यादि इस प्रक्रिया से लडकियों मे आस पास की चिजों को देखने व समझने व नजरिये का पता चलता है ।

शिक्षा पद्वति – राजस्थान मे शिक्षा पर काम करने वाली दिगन्तर नामक संस्था जयपुर मे है इस संस्था ने पठन पाठन की सामग्री विकसित की है जिसके तहत बच्चौ मे रटन विद्या का उपयोग नही किया जाता है इस तरह की शिक्षा मे यह ध्यान रखा जाता है की बच्चा तार्किक रूप से कितना सिख रहा है व शिक्षा का स्तर व्यवहारिक होता है

जैसे बच्चे ने कोई चिज अपने आस पास के पर्यावरण मे नही देखी है तो उसको हम नही पढाते है ।

पौथी – दिगन्तर ने 01 –05 तक के लिये भाषा श्रंखला हिन्दी पौथी 10 तक का अध्ययन करवते हे जिसमे रंगो की पहचान शब्दों की पहचान शब्द निर्माण इत्यादी पर कार्य करवाते है ।

गणित बोध – इस पधति मे 15 पोथी होती है इसमे छात्राओ को संख्या को व्यवहारिक रूप से जानना व समजना होता है

उपलब्धियाँ

- आधार शिला बालिका स्कुल 15 नवम्बर 2008 से प्राम्भ हुआ इस वर्ष विद्यालय ने 03 वर्ष पुरे कर लिये है इन तीन वर्ष मे हमने क्या सिखा व क्या उपलब्धियां रही का विवरण –

- **प्रथम वर्ष** – 77 मेसे 19 छात्राए विद्यालय छोड के चली गई व 10 छात्राओ को पांचवी पास करवाकर कस्तुरबा गांधी मे भर्ती करवाया ।

- **द्विती वर्ष**–

पिछले वर्ष की 48 छात्राऐ व 20 नई छात्राओं ने प्रवेश लिया कुल होगई 68 इन मेसे 18 छात्राऐ विद्यालय छोड के चली गई व 16 छात्राओ को पांचवी पास करवा कर पास के ही गॅाव नाहरगढ कस्तुरबा आवासीय विद्यालय मे भर्ती करवा दिया यह अमरपुरा गॅाव से 07 कि.मी. दुरी पर स्थित है ।

- **त्रतीय वर्ष** –

34 लडकियां पिछले वर्ष की इस वर्ष 24 नई लडकियों ने प्रवेश लिया वर्तमान मे 58 लडकियां अध्ययनरत है ।

भदेसर तः मे 162 गॅाव हे जिसमें कुल जनसंख्या 112000 है जिसमें भीलों के कुल परिवार 2130 व जनसंख्या 11650 ये परिवार 74 गॅाव मे रहते है इस समाज को पढने लिखने का मोका नहीं मीलता है क्यों की – इनकी आर्थिक व सामाजीक स्थिति बहुत दयनीय है इन परिस्थितीयों मे संस्था द्वारा 26 लडकियों को 05 वी पास करवाकर कस्तुरबा गॅाधी आवासीय विद्यालय मे प्रवेश कारवाया।

जिन गावों की लडकियॅा हमारे साथ रहकर पढाई करती है उन परिवारों के साथ हम उनके गॅाव जाकर पुरे समुदाय की मीटींग करके स्कुल से वंचित लडकियों को स्कुल भेजने के लिये प्रेरित करते है ।

मीरा भील माता सरजु पिता नारायण उम्र 13 वर्ष गॅाव मगरदा तः भदेसर जिला चित्तौड गढ ये गाव अमरपुरा से 09 कि.मी. दुरी पर है

मीरा कभी किसी विद्यालय में नियमित पढने नही गई मीरा ने एक वर्ष मे पॅाचवी तक का स्तर प्राप्त कर परीक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त किया । इस वर्ष छः की परीक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त किया व उच्च प्राथमीक द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगीता मे प्रथम स्थान प्रप्त कर पुरूस्कार हासील किया । दुसरा स्थान मजुं मीणा ने प्राप्त किया ये छात्रा भी अमरपुरा स्कुल की थी ।

अवलोकन

- 13 जुलाई 2011 को ब्लोक प्रारम्भीक शिक्षा अधिकारी श्रीमान छगन लाल कोठवाल द्वारा शिविर का अवलोकन किया गया ।
- उदयपुर की महसुर स्त्री रोग विषेसज्ञ डॉ. पेडसे द्वारा लडकियो के साथ बात चीत की ।
- विकास अधीकरी कालुराम जी ने विद्यालय में आकर के विस्त्रीत जानकारी ली।
- 29 सितम्बर 2011 को उदयपुर से श्रीमति भारती द्वारा अवलोकन किया गया।

भ्रमण

इस वर्ष 24 लडकियॅा पांचवी की परीक्षा देने के लिए तैयार हो रही है उनको नहरगढ के कस्तुरबा गांधी का तीन बार अवलोकन करवाया जिसमे वहा अध्ययनरत लडकियों व शिक्षिकाओं व पठन सामाग्री का अवलोकन करवाया गया

राजस्थान मे दशहरा त्येहार सभी शहरों मे मनाया जाता है निम्बाहेडा कस्बे मे राजस्थान का दुसरे नम्बर का दशहरा मेला लगता है यहॉ पर कई ज्ञानविज्ञान की प्रदर्शनी लगति है इस मेले को दिखाने के लिए दो गाडियां कर के रात्री को 08–12 तक मेला दिखया गया इस मेले मे लडकियो ने झुला व सरकस देखे व खुब खुश हुई ।

अमरपुरा गॅाव के पास नदी पहाड तालाब का भ्रमण करवाया गया जिसमे यह चर्चा की गई की समस्त जीवों के जीवन मे इन प्राक्रतीक संसाधनो के क्या महत्व है ।

- **भदेसर मे भ्रमण** – झल झुलनी ग्यारस के दिन 13 अगस्त 2011 को साय 04 बजे से 09 तक रखा गया।

समस्याए

प्राकतिक आपदाए

राजस्थान का दक्षिणी क्षैत्र मलेरिया रोग से प्रभावित माना जाता है इस वर्ष करीब करीब सभी लडकियो को मलेरिया रोग हुआ
लडकियां अभी भी खना खाने से पुर्व हाथ नही धोती है जंगल जाने पर भी नही जिसकी वजह से पेट दर्द उल्टी दस्त का प्रकोप भयंकर होता रहता है कभी कभी तो आधी लडकियां बीमार पड जाती है ।
सभी लडकियों के शिर मे जुएं है
गन्दगी की वजह से लडकियो के फांडे फुन्सी भी काफी मात्रा मे होती है ।

❖ उपचार

संस्था के ऑफीस मे होम्यो पेथीक दवा का पेटी रखा हे कुछ बडी लडकियों को कोनसी बीमारी मे कोंनसी दवा देते है समजा रखा है व संस्था के कार्यकर्ता भी दवाई का ज्ञान रखते है इस लिए कोइ भी लडकी बिमार हो हरी तुरन्त उपचार कर देते है अगर कोई बिमारी समझ मे नहीं आ रही हे या फिर यहॅा ठीक नही होरही है तो उस लडकी को बडे अस्पताल चित्तौड या भदेसर लेजाकर ईलाज करवाते है

❖ केस स्टेडी

चन्दा माता नारायणी पिता प्रथु जी उम्र 12 वर्ष गॉव केसरपुरा तः चित्तौड गढ है व इसके तीन बहने व दो भाई है लडकी का पिता भयंकर अफीम ची व शराबी है इसके पिछले वर्ष सर्दीयों मे लडकी की मॉ रीस्ते दारी मे कही गई हुई थी लडकी का पिता शराब पिकर आया और चन्दा के साथ ब्लातकार कर दिया और यह प्रक्रीया निरन्तर दोहराता रहता था इस से पुरे परिवार का माहोल खराब होगया

रोज पती पत्नि के बीच मार पिट का खेल चलने लगा जिसका असर रोजगार व बच्चौ पर पडने लगा कई बार यह परिवार भुखा ही सोजाता था व रोज की लडाई से तग आकर बडा बच्चा महाराष्ट भाग गया । जब हमे पता चला तो लडकी की मॉ से बातचीत की पुरीबात समजने के बाद इसके बाप से भी बात करी bl ij cki dqN Hkh cksyus dks rS;kj ugha Fkk ,lh ijhfLFkfr eas nksukas yMfd;ksa dks ge laLFkk }kjk pyk;s tk jgs Ldqy es ysdj vkx;s yMdh dh eWk ls geus dbZ ckj ckrphr djh dh dh vki pkgks rks ge dkuquh dk;Zokgh dj ldrs gS ysdhu mlds ckn vkids irh lsas fjLrk iqjh rjg ls lekIr gks tk;sxk vHkh mlds eu es irh o lekt dk Mj gS ns[krs gS dSls ge mldh enn djds lgk;rk igqpk, ।

कार्य योजना –

ईस वर्ष मार्च 2012 मे 24 लडकियो को पांचवी की सरकारी स्कुल मे परीक्षा दिलवाकर छटी कक्षा से नाहरगढ कस्तुरबा गांधी विद्यालय मे भर्ती करवा देगे

अप्रेल 2012 मे 34 नई लडकियों की शाला मे प्रवेश करवायेगे इसके लिए संस्था कार्यकर्ता गावों गावों मे जाकर के निर्धन भील परिवारों लडकियों की सुची बनाना शुरू कर दिया व उनके परिवार वालों से लडकी को पढाने का सहमती पत्र लेने का सोच रहे है

प्रती वर्ष की भती ईस वर्ष भी अध्यापिकाओ का पॅाच दिवसीय शिक्षा शिवीर का आयेजन मई जुन मे अमीत व जय श्री साकड जिला खरगोन म.प्र. कों निमत्रीत किया है व जयपाल सिह रीड संस्था देरादुन को भी हमने शिवीर को दिशा देने के लिए आग्रह किया है ।

आवश्यकता

बजट अगर संभव हो तो चौकीदार का 4050 रूपया चाहते है क्यो की राजस्थान सरकार का न्युनतम वेतन 135 रूप्या है । नही देने पर हमारे उपर कानुनी कार्यवाही होसकती है । बाकी बजट पिछले वर्ष जैसा ही है ।

वर्तमान मे संस्था मे 11 लोग कार्यरत है जिसका विवरण निम्नलिखीत है –

क्रं. सं.	नाम	उम्र	शैक्षणीक योग्यता	पद	कार्य अनुभव
01	सुमन चौहान		मेट्रीक		16 वर्ष
02	खैमराज चौधरी		BA		33 वर्ष
03	रतन लाल		सीनीयर	कार्यकर्ता	07 वर्ष
04	राम चन्द्र		सीनीयर	dk;ZdrZk	07 वर्ष
05	प्रकाश		BA	dk;ZdrZk	07 वर्ष
06	रेखा नागदा		मेट्रीक	dk;ZdrZk	19 वर्ष
07	नारायणी भील		00	dk;ZdrZk	15 वर्ष
08	कुसुम सोनगरा		MA	अध्यापिका	06 वर्ष
09	प्रीयकां छीपा		MA	अध्यापिका	04 वर्ष
10	रमेश मेघवाल		00	रसोइया	02 वर्ष
11	अनीता		00	रसोइया	02 वर्ष